क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुपी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

RNI.No.: GUJHIN/2018/75100

दैनिक

क्रांति समय

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुपी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 275, मंगलवार, 30 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दो माह की जुड़वां बेटियों बेचने के आरोप में पिता गिरफ्तार

एजेंसी,बारासात। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले से एक पिता के कथित तौर पर अपनी जुड़वां बच्चियों को बेचने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि रतन ब्रह्मा (38) को कथित तौर पर अपनी दो महीने की जुड़वां बच्चियों में से एक को एक चावल व्यापारी को एक लाख रुपए में और दूसरी बच्ची को रामचंद्रपुर गांव के एक दंपती को 80,000 रुपए में बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ब्रह्मा और उसकी पत्नी की एक 10 वर्षीय बेटी भी है। पुलिस ने ब्रह्मा को रविवार रात को गिरफ्तार कर जुड़वा बच्चियों में से एक को ठाकुरनगर इलाके से चावल व्यापारी के घर से बचाया। दूसरी बच्ची को रामचंद्रपुर गांव के एक दंपती के घर से बरामद किया गया। इस दंपती के कोई संतान नहीं है। उन्होंने बताया कि दोनों बच्चियों को चंद्रपारा स्वास्थ्य केंद्र में रखा गया है और सोमवार को उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा।

गुजरात: महिला पुलिस अफसर को पति और ससुरालियों ने मार डाला

एजेंसी, अहमदाबाद। गुजरात में एक महिला पुलिस अधिकारी को उसके पति और ससुराल वालों ने कथित रुप से मार डाला। उन सभी की उसकी संपत्ति पर नजर थी। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह वारदात यहां से करीब 315 किलोमीटर दूर जूनागढ़ में रविवार रात हुई। पुलिस के अनुसार सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) किरण जोशी (41) सोमवार सुबह मधुराम क्षेत्र में अपने घर में मृत मिलीं। वह जूनागढ़ जिले के विश्वादर थाने में एएसआई थीं। किरण जोशी के भाई महेश जोशी ने पुलिस से शिकायत की है कि उसकी बहन को उसके पति पंकज वेगडा, देवर दीपक वेगड़ा, सास रसीला वेगडा और ससुर भवानी वेगड़ा ने उसकी संपत्ति हड़पने की साजिश के तहत मार डाला। पुलिस उपाधीक्षक एच एस रत्नू ने बताया कि किरण जोशी का पति लापता है जबकि पुलिस ने शिकायत में नामजद अन्य आरोपियों से पूछताछ शुरु की है। रत्नू ने कहा, ''किरण की कल कल रात घर में किसी धारदार हथियार से वार कर हत्या की गयी। हमें किरण के गले और पेट पर जख्म मिले हैं। महेश जोशी ने आरोप लगाया है कि उनकी बहन पर उसके पति और ससुराल वाले अपना घर और कुछ वाहन उनके नाम पर करने के लिए दबाव डाल रहे थे। उन्होंने कहा, ''उसके पति ने किरण का 35 तोला गहना गिरवी रखकर बैंक से ऋण लिया था। किरण उस ऋण का ईएमआई भर रही थी।

एलिवेटेड रोड पर गाड़ी खड़ी कर शराब पी रहे 10 रईसजादे गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-32 के पास एलिवेटेड रोड पर रविवार रात करीब ढाई बजे सड़क पर गाड़ी खड़ी कर शराब पी रहे 10 लोगों को थाना सेक्टर-24 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक पंकज पंत ने बताया कि सेक्टर-18 से सेक्टर-62 तक जाने वाले चार किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड पर रात करीब ढाई बजे के 10 रईसजादे सड़क पर कार खड़ी करके शराब पी रहे थे। वहां से आने-जाने वाले लोगों ने इस बात की सूचना पुलिस को दी।

हरिद्वार के दूधिया डैम पर ''नमामि गंगे' कार्यक्रम के तहत सफाई अभियान चलाते ''ऑल वर्ल्ड गायत्री परिवार' के कार्यकर्ता।

सीबीआई के नंबर-2 राकेश अस्थान को 1 नवंबर तक गिरफ्तारी से मिली राहत

एजेंसी,नई दिल्ली। सीबीआई के स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना के ऊपर कार्रवाई के खिलाफ उनकी ओर से दायर अर्जी पर के सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने एक नवंबर तक इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह दोनों अधिकारियों की अर्जी पर एक नवंबर या उससे पहले जवाब दाखिल करे। अस्थाना को सरकार ने 24 अक्टूबर को आधी रात को छुट्टी पर भेज दिया है। सीबीआई के वकील ने उच्च न्यायालय को बताया कि जवाब देने में इसलिए देर हुई क्योंकि केस से जुड़ी फाइलें केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के पास भेजी गई हैं। सीबीआई ने जवाब दाखिल करने के लिए और वक्त मांगा। उच्च न्यायालय ने अस्थाना और सीबीआई के एक अन्य अधिकारी की अर्जियों पर जवाब दाखिल नहीं करने को लेकर जांच एजेंसी पर सवाल उठाए। दोनों अधिकारियों ने इस मामले में अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की मांग की है।

अपने खिलाफ कार्रवाई को लेकर हाईकोर्ट गए अस्थाना

इससे पहले, दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को सीबीआई को निर्देश दिया कि स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना के खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही पर यथास्थिति बरकरार रखें। अस्थाना ने घूस के आरोप में अपने खिलाफ दायर एफआईआर को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले में जारी जांच पर किसी तरह का स्थगन नहीं है।

क्या हैं आरोप

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने विशेष निदेशक राकेश अस्थाना के खिलाफ इस आरोप को लेकर मामला दर्ज किया।

नई गाड़ी पर पुराना नंबर लेने के लिए देना होगा इतना शुल्क

नई दिल्ली। पुराने वाहन पर दर्ज पसंदीदा नंबर आपको अब नए वाहन पर मुफ्त में नहीं मिलेगा। इसके लिए आपको 2500 रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक का शुल्क चुकाना पड़ सकता है। दिल्ली परिवहन विभाग ने दिल्ली वाहन अधिनियम 34ए में बदलाव करते हुए नई रिटेंशन पॉलिसी की ड्राफ्ट अधिसूचना जारी कर दी है। तीस दिन तक सुझाव और आपत्ति लेने के बाद इस नई नीति को लागू कर दिया जाएगा। सूत्रों की मानें तो नवंबर के आखिरी सप्ताह में नई रिटेंशन् पॉलिसी लागू कर दी जाएगी। फिलहाल कोई शुल्क नहीं लगता: वर्तमान में पुराने वाहन के नंबर को नए वाहन पर पाने के लिए कोई भी शुल्क नहीं लिया जाता है। फिर चाहे वह वीआईपी श्रेणी के सबसे महंगा 5 लाख का 0001 नंबर ही क्यों न हो, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। नई पॉलिसी के मुताबिक, अगर वाहन स्वामी अपने पुराने वाहन के नंबर को नए वाहन पर चाहता है तो उसे चारपहिया के लिए न्यूनतम 25 हजार रुपये और दोपहिया के लिए 2500 रुपये चुकाने होंगे। वहीं, अगर वह नंबर वीआईपी श्रेणी का है तो उसके आरक्षित मूल्य का 10 फीसदी या 25 हजार रुपये में से जो अधिक होगा वह शुल्क चुकाना पड़ेगा। अगर किसी के पास 0001 वाहन का नंबर है। वह इस नंबर को नए वाहन पर भी चाहता है तो उसे कम से कम 50 हजार रुपये चुकाने होंगे, क्योंकि 0001 नंबर का आरक्षित मूल्य 5 लाख रुपये है। इसी तरह 0002-0009 के बीच का कोई नंबर नए वाहन पर लेने के लिए आपकों 30000 हजार रुपये चुकाना होगा।

- 25000 रुपये नए चार पहिया वाहन पर पुरानी गाड़ी का नंबर हस्तांतरित करवाने का शुल्क। 2500 रुपये नए दुपहिया वाहन पर पुरानी गाड़ी का नंबर लगवाने के लिए चुकाना पड़ेगा
-10% शुल्क चुकाना पड़ेगा वीआईपी नंबर के आरक्षित मूल्य का

पसंदीदा नंबर के लिए इंतजार नहीं करना होगा

परिवहन विभाग की वीआईपी नंबर की पांच श्रेणी है।

सुबह नौ बजे पीएम2.5 का स्तर 1,515 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पाया गया, राष्ट्रीय मानकों के मुताबिक 60 होना चाहिए

फरीदाबाद में वायु प्रदूषण 25 गुना ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी । राष्ट्रीय राजधानी में जहां वायु गुणवत्ता बिगड़ती जा रही है, वहीं फरीदाबाद में रविवार को क्षेत्र का सबसे खराब प्रदूषण स्तर दर्ज किया गया। क्षेत्र में प्रदूषण स्तर, सुरक्षा सीमा के मुकाबले 25 गुना से भी ज्यादा दर्ज किया गया, जिसने मौसम विशेषज्ञों में खलबली मचा दी है।

फरीदाबाद के प्रदूषण निगरानी केंद्र के मुताबिक, सुबह नौ बजे पीएम2.5 का स्तर 1,515 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पाया गया, जबकि दोपहर 12 बजे यह गिरकर 1,457 इकाई और एक बजे तक यह 1,452 हो गया था। हवा में सूक्ष्म प्रदूषकों में पीएम2.5 की अनुमत सीमा राष्ट्रीय मानकों के मुताबिक 60 यूनिट और अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक 25 यूनिट होनी चाहिए।

विशेषज्ञों ने हालांकि दावा किया है कि यह ऊंची रीडिंग तकनीकी खराबी के कारण हो सकती है, इसके बावजूद उन्होंने क्षेत्र की वायु गुणवत्ता को बहुत खराब करार दिया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रक बोर्ड (सीपीसीबी) के सदस्य सचिव प्रशांत गार्गव ने कहा, ''यह एक तकनीकी खराबी हो सकती है, प्रदूषण असामान्य रूप से इतना अधिक नहीं हो सकता। पीएम 2.5 की 1515 यूनिट बहुत ज्यादा है।

हम मामले की जांच कर रहे हैं।' रविवार को भी राष्ट्रीय राजधानी की हवा में जहर घुलना जारी रहा, क्योंकि वायु गुणवत्ता बहुत खराब बनी हुई है।

दिल्ली के 36 इलाकों में दोपहर एक बजे तक औसत 2.5 पीएम 223 यूनिट था।

घरानों के नियंतण्र को तोड़ दिया : मेनका मीडिया को कभी चुप नहीं रहना चाहिए : शिव प्रताप शुक्ला

सोशल मीडिया ने पूंजीवादी मीडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (आईएफडब्लूजे) के 69 वें स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय मंत्री शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि मीडिया को कभी चुप नहीं रहना चाहिए।

अभिव्यक्ति की आजादी के लिए पत्रकारों को हमेशा सतर्क रहना होगा। इमरजेंसी में अपनी गिरफ्तारी के दौरान मीडिया पर लगाए गए अंकुश का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया को खत्म करने के लिए मीसा जैसे कानून बनाए गए थे फिर भी उसे दबाया नहीं जा सका। कांस्टीट्यूशन क्लब आफ इंडिया में आयोजित इस समारोह में देश भर से आए 350 से अधिक पत्रकारों ने हिस्सा लिया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने कहा कि भारत में 87 फीसद महिलाएं कार्यस्थल पर पहले साल के दौरान किसी न किसी प्रकार के यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं। गांधी ने इस बात पर संतोष जताया कि आज जब पारंपरिक मीडिया समृद्ध लोगों के हाथ में केंद्रित हो गया है तब सोशल मीडिया उसकी काट के रूप में सामने आ गया है।

जिसने पूंजीवादी मीडिया घरानों के नियंतण्र को तोड़ दिया है। आज कोई भी खबर टीवी चैनल या अखबार छिपा नहीं सकते हैं।

समारोह को केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, सांसद हरिवंश सिंह व राम चरित्र निषाद ने भी संबोधित किया। स्थापना दिवस की खास बात यह रही कि देश की पांच जानी मानी हस्तियों को आईएफडब्ल्यूजे ने सम्मानित किया जिनमें असम, यूपी पुलिस एवं बीएसएफ के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री प्रकाश सिंह, जैविक खेती के परचम को देश दुनिया में लहराने वाले बस्तर के किसान व उद्यमी डा. राजाराम त्रिपाठी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं संस्कार भारती से जुड़े ओमप्रकाश श्रीवास्तव, उद्यमी एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े डा. मिथिलेश कुमार त्रिपाठी व पत्रकार एवं प्रतिष्ठित लेखक अरविंद कुमार सिंह शामिल थे। आईएफ डब्ल्यूजे के उपाध्यक्ष हेमंत तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संगठन की गतिविधियों के बारे मं बताया। महासचिव परमानंद पांडे ने संक्षेप में आईएफ डब्ल्यूजे की स्थापना के बारे में बताया। मंच का संचालन आईएफ डब्ल्यूजे सचिव सिद्धार्थ कलहंस ने किया।

'दिल्ली के प्रदूषण के लिए केंद्र, हरियाणा और पंजाब सरकार जिम्मेदार'

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में गंभीर वायु प्रदूषण के लिए केंद्र और हरियाणा एवं पंजाब की सरकारों को जिम्मेदार ठहराया है। केजरीवाल ने सोमवार को आरोप लगाया कि 'आप' सरकार के सभी प्रयासों के बावजूद वे कुछ भी करने को तैयार नहीं हैं। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''दिल्ली में प्रदूषण पूरे वर्ष नियंत्रण में रहा, लेकिन प्रतिवर्ष इस समय (सर्दी) दिल्ली को केंद्र, भाजपा नीत हरियाणा और कांग्रेस नीत पंजाब सरकारों के चलते गंभीर प्रदूषण का सामना करना पड़ता है।''

दिल्ली में छाई घनी धुंध, हवा की गुणवत्ता और बिगड़ी, यहां के हालात गंभीर

उन्होंने कहा, ''हमारे सभी प्रयासों के बावजूद वे कुछ भी करने को तैयार नहीं हैं। इन दोनों राज्यों के किसान भी अपनी सरकारों से तंग आ चुके हैं।'' दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है और सोमवार को समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक 348 था। पराली जलाना सर्दियों में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदूषण स्तर में बढ़ोतरी का मुख्य कारण है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के किसानों की प्रशंसा की जो खेतों में पराली नहीं जलाते। बता दें कि, एक्यूआई का स्तर 0 से 50 के बीच ''अच्छा'' माना जाता है। 51 से 100 के बीच यह ''संतोषजनक'' स्तर पर होता है और 101 से 200 के बीच इसे ''मध्यम'' श्रेणी में रखा जाता है। हवा की गुणवत्ता का सूचकांक 201 से 300 के बीच ''खराब'', 301 से 400 के बीच ''बहुत खराब'' और 401 से 500 के बीच ''अत्यंत गंभीर'' स्तर पर माना जाता है।

गुरुग्राम : पति ने बैंक अधिकारी पत्नी को आठवीं मंजिल से फेंका, मौत

गुरुग्राम। ग्वाल पहाड़ी के पास अंसल वैली में रहने वाले निजी कंपनी के एक निदेशक ने करवा चौथ की रात पत्नी को आठवीं मंजिल से फेंक दिया। इससे उसकी मौत हो गई। पत्नी बैंक में अधिकारी थी। वारदात के पीछे का कारण आरोपी का सोसाइटी में रहने वाली किसी अन्य महिला से प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है। घटना शनिवार देर रात करीब पौने 11 बजे की है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने महिला के पिता की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक महिला साइबर सिटी के इंडसइंड बैंक की शाखा में डिप्टी मैनेजर थी। उसका पति स्काईलार्क कंपनी में सहायक निदेशक के पद पर तैनात है। चंडीगढ़ के रहने वाले महिला के पिता हरिकिशन आहूजा ने अपनी

शिकायत में बताया कि उन्होंने छह साल पहले अपनी बेटी दीपिका की शादी विक्रम चौहान से की थी। शादी के वक्त उनकी बेटी की तैनाती गुरुग्राम में ही थी। इस शादी के एक साल बाद दीपिका को बेटी हुई। करीब पांच महीने पहले उसने एक बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने बताया कि करीब छह महीने पहले विक्रम की अंसल वैली में ही रहने वाली किसी महिला से प्रेम संबंध बन गया। जब भी दीपिका ने विरोध किया, तो विक्रम ने उसके साथ मारपीट की। उन्होंने बताया कि शनिवार की रात भी दोनों के बीच इसी महिला को लेकर बहस हुई और गुस्से में आकर विक्रम ने उनकी बेटी को बालकनी से नीचे फेंक दिया। उसकी मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने दी पुलिस को सूचना

दीपिका जैसे ही आठवीं मंजिल से गिरी। आवाज सुनकर सोसाइटी के काफी लोग मौके पर पहुंचे। तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लिया। पुलिस ने उसी समय महिला के पति से पूछताछ की। रविवार की सुबह परिजनों के आने पर पुलिस ने आरोपी विक्रम चौहान के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

विवाहित है प्रेमिका

पुलिस के मुताबिक जिस महिला से विक्रम के प्रेम संबंध की बात कही गई है, वह महिला भी शादीशुदा है। वह इसी सोसायटी में रहती है। पुलिस के मुताबिक वह अक्सर विक्रम से मिलने उसके घर भी आ जाती थी। इसी बात को लेकर दीपिका और विक्रम में कई बार झगड़े भी हुए। विक्रम भी उस महिला के घर जाता था।

बोध गया में रविवार को ''कैथिना त्योहार' के मौके पर एक जुलूस में शिरकत करते श्रीलंकाई श्रद्धालु।

संपादकीय

नजरबंदी का आदेश

कोरेगांव हिंसा मामले के आरोपी अरुण फरेरा, वेरनन गोंजाल्विस व सुधा भारद्वाज की गिरफ्तारी इस मायने में बड़ी घटना है कि इनको पुलिस के हाथों जाने से रोकने के लिए वकीलों की फौज सुप्रीम कोर्ट में खड़ी हो गई थी। देश में इसे सरकार द्वारा विरोधियों को फंसाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की एकाधिकारवादी कार्रवाई के रूप में प्रचारित किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इनको गिरफ्तार करने की जगह नजरबंदी का आदेश दिया और उसे विस्तारित भी किया किंतु इन्हें रिहा करने से इनकार कर दिया। जाहिर है, कोर्ट को पुणो पुलिस के तयों और तकरे में दम लगा होगा। इसके बाद इनकी गिरफ्तारी तय हो गई थी। इन पर आरोप बड़े गंभीर हैं। भीमा कोरेगांव हिंसा के पीछे माओवादियों की भूमिका के सुबूत पुलिस को मिले जिसके आधार पर पहले से कई लोग जेल में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। पूछताछ एवं छानबीन से मिले प्रमाणों के आधार पर पुलिस इन तक पहुंची थी किंतु वामपंथी बुद्धिजीवियों व सक्रियतावादियों के बीच इनकी पैठ इतनी गहरी है कि लगा मानो कोई अनहोनी हो गई हो। अभी केवल गौतम नवलखा बाहर हैं, लेकिन मुंबई हाईकोर्ट में उनके मामले पर सुनवाई होनी है, और संकेत मिल रहे हैं कि उनको भी अंदर जाना पड़ सकता है। पुणो के कोर्ट ने जिन टिप्पणियों के साथ इनकी जमानत याचिका खारिज की और पुलिस हिरासत में भेजा उससे प्रथमदृष्ट्या इनके माओवादियों का शहरी चेहरा होने का संदेह गहरा हो जाता है। कोर्ट ने कहा है कि पुलिस ने जो प्रमाण दिए हैं, उनसे लगता है कि ये शहरों में रह कर माओवादियों को हर प्रकार का सहयोग कर रहे थे। यह बहुत बड़ी टिप्पणी है। वैसे, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी रोमिला थापर द्वारा दाखिल पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही विशेष जांच दल से जांच कराने की अपील खारिज करते हुए पुणो पुलिस को ही इस मामले की जांच आगे बढ़ाने को कहा था। हमारा मानना है कि यह देश की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। माओवाद देश की सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है। ये शहरों में छद्म रूप में सक्रिय रहकर समाज में हिंसा फैलाने की भूमिका निभाते हैं, तो खतरा और बढ़ जाता है। इसलिए पुलिस की जांच निष्पक्ष होनी चाहिए। आवश्यकता हो तो इसे विस्तारित कर एनआईए को सौंपा जा सकता है। देश चाहता है कि मामले का पूरा सच सामने आए लेकिन कोई निदरेष भी उसमें न फंसे।

हवा की स्थिति

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जिस तरह हवा की स्थिति खराब हुई है उसने केंद्र से लेकर राज्य सरकारों एवं संबंधित विभागों को कुछ कड़े कदम उठाने को विवश किया है। यही कारण है कि वायु प्रदूषण मानकों का उल्लंघन के मामलों में संबद्ध एजेंसियों की जवाबदेही तय करते हुए प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का फैसला किया गया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डा. हर्षवर्धन ने मंत्रालय और केंद्रीय प्रदूषण नियंतणबोर्ड (सीपीसीबी) के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद जो कुछ बताया, उससे लगता है कि स्थिति अभी तो गंभीर है ही, आने वाले समय में सही कदम नहीं उठाए गए, प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती नहीं बरती गई तो यह और बिगड़ जाएगा। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम में वायु प्रदूषण की समीक्षा में पाया गया कि दिल्ली को छोड़कर चारों शहरों में मानकों का पालन सुनिश्चित कराने में संबद्ध एजेंसियां सफल नहीं रहीं हैं। इस कारण हालात में कोई सुधार नहीं हो पा रहा है। सीपीसीबी के निगरानी दलों ने अपने सुझाव में आपराधिक कार्रवाई का सुझाव दिया था।

बैठक के फैसले पर अमल हुआ तो पांचों शहरों में वायु प्रदूषण मानकों के पालन की निगरानी के लिए गठित किए गए 41 दल मानकों का उल्लंघन करने वालों और संबद्ध एजेंसी के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण कानून के तहत आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर सकेंगे। देखना होगा कि एक नवम्बर को सभी पांच राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की बैठक में क्या फैसला होता है? हालांकि हमारे स्वयं के दायित्व भी हैं। हमें स्वयं भी प्रदूषण फैलाने वाले व्यवहारों से अलग रहना होगा। साथ ही समाज को भी इसके लिए प्रेरित करना होगा। किंतु इसमें सरकारी एजेंसियों की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण है। निरीक्षण एवं प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई तो ये ही कर सकते हैं। इसलिए सीपीसीबी के निगरानी दलों की संख्या 41 से बढ़ाकर 50 करने तथा सप्ताह में दो दिन की जगह कम से कम पांच दिन औचक निरीक्षण निरीक्षण करने का फैसला उचित है। देखना है इस पर कितना और किस तरह अमल होता है?

सच और तय गौण

वेबसाइट मीडिया पार्ट द्वारा यह कहे जाने के बाद कि उनके पास राफेल बनाने वाली कंपनी दस्सॉल्ट के पूर्व मैनेजर का कंपनी के प्रबंधन के बीच दिया गया वक्तव्य है, जिससे साबित होता है कि रिलायंस डिफेंस को साझेदार के रूप में स्वीकारने के अलावा कंपनी के पास विकल्प ही नहीं था, हंगामा जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भ्रष्ट बताकर उनसे इस्तीफे तक की मांग कर दी गई है। पिछली बार इस वेबसाइट ने फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांसुआ ओलांद का एक वक्तव्य प्रकाशित किया था, जिसमें वे रिलायंस डिफेंस का नाम भारत की ओर से देने की बात कर रहे थे। बाद में एक समाचार एजेंसी से ओलांद ने कहा, इसके बारे में दस्सॉल्ट ही बता सकता है। राहुल ओलांद के पहले बयान को ही उद्धृत करते हुए कहते हैं।

सतीश पेडणोकर

फेल शब्द कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल गांधी इतनी बार बोलते हैं कि एक-एक व्यक्ति इसका सही उच्चारण कर सकता है। सरकार के संदर्भ में हर घटना को वे राफेल से जोड़ते हैं। सीबीआई के दो शीर्षतम अधिकारियों की लड़ाई को उन्होंने राफेल से जोड़ दिया। कहा कि आलोक वर्मा को इसलिए हटाया गया क्योंकि वे राफेल पर कागजात जुटा रहे थे। कांग्रेस ने सीबीआई मुख्यालय तक जो मार्च निकाला, उसमें भी नेता-कार्यकर्ताओं के हाथों राफेल की तस्वीरें थीं। वस्तुत: राफेल पर इतनी राजनीति हो रही है कि आम आदमी के मन में भी भ्रम पैदा हुआ है। जब राजनीति हावी होती है, तो सच और तय गौण हो जाते हैं। इस लौ में फ्रांस की एक वेबसाइट के दावे समय-समय पर तेल डालने की भूमिका अदा कर रहे हैं। वेबसाइट मीडिया पार्ट द्वारा यह कहे जाने के बाद कि उनके पास राफेल बनाने वाली कंपनी दस्सॉल्ट के पूर्व मैनेजर का कंपनी के प्रबंधन के बीच दिया गया वक्तव्य है, जिससे साबित होता है कि रिलायंस डिफेंस को साझेदार के रूप में स्वीकारने के अलावा कंपनी के पास विकल्प ही नहीं था, हंगामा जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भ्रष्ट बताकर उनसे इस्तीफे तक की मांग कर दी गई है। पिछली बार इस वेबसाइट ने फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांसुआ ओलांद का एक वक्तव्य प्रकाशित किया था, जिसमें वे रिलायंस डिफेंस का नाम भारत की ओर से देने की बात कर रहे थे। बाद में एक समाचार एजेंसी से ओलांद ने कहा, इसके बारे में दस्सॉल्ट ही बता सकता है। राहुल ओलांद के पहले बयान को ही उद्धृत करते हुए कहते हैं कि फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि भारत का प्रधानमंत्री चोर है। उस बार भी दस्सॉल्ट ने बयान जारी कर इसका खंडन किया था। पुन: दस्साल्ट कंपनी के सीईओ एरिक ट्रेप्पियर ने विस्तार से सारी बातें स्पष्ट की हैं। उन्होंने खंडन कर दिया कि केवल रिलायंस डिफेंस के साथ ही साझेदारी की गई है।

ट्रेप्पियर ने स्पष्ट किया कि हम लगभग 100 भारतीय कंपनियों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जिनमें बीटीएसएल, डेफ्सिज, काइनेटिक, महिंद्रा, मैनी, सैम्टैल, लार्सन एंड टूब्रो, गोदरेज, टाटा जैसी 30 कंपनियों के साथ हमने साझेदारी की है। दस्सॉल्ट एविएशन ने स्वतंत्र रूप से रिलायंस सहित सभी कंपनियों का चुनाव किया। उनके अनुसार रिलायंएस और दसॉल्ट एविएशन का संयुक्त उपक्रम लगभग दस फीसद ऑफसेट निवेश (बराबर रकम) का है। रिलायंस के साथ साझेदारी अभी तक 1000 करोड़ रुपये से भी कम की है। राहुल के बार-बार यह कहने का कि-मोदी ने 30 हजार करोड़ रुपये अनिल अंबानी की जेब में डाल दिए-क्या उत्तर दिया जा सकता है? प्रश्न है कि जब इतनी कंपनियों के साथ साझेदारी है, तो एक ही कंपनी का नाम बार-बार क्यों लिया जा रहा है? फ्रांस में यह प्रश्न उठाया गया है कि जो उत्पादन उनके देश में होना चाहिए उसे भारत स्थानांतरित किया जा रहा है, और इससे उनके रोजगार के अवसर घट रहे हैं। जिन कागजात की बात मीडिया मार्ट ने की वह दरअसल, दस्सॉल्ट द्वारा अपने कर्मचारी संघ की चिंता पर दिया गया लिखित जवाब है, जिस पर कंपनी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) लोइक सेगलन के हस्ताक्षर हैं। साफ है कि इसे संदभरे से अलग करके प्रचारित किया गया है। कर्मचारी संघ को बताया गया है कि भारत की रक्षा खरीद नीति के तहत हमें कुल राशि का 50 प्रतिशत निवेश करना था और संयुक्त उद्यम के अलावा कोई विकल्प न था। उसे लेकर हमारे देश में हंगामा खड़ा कर दिया गया। राहुल कह रहे हैं कि अब तो राफेल के सीनियर एग्जिक्यूटिव रहे एक शख्स ने भी बोल दिया है कि हिन्दुस्तान के प्रधानमंत्री ने अनिल अंबानी को 30,000 करोड़ रुपये की कम्पेंसेशन यानी क्षतिपूर्ति दी है। उस कागजात में कम्पेंसेशन शब्द है। ट्रेप्पियर ने कहा है कि भारत के ऑफसेट को फ्रांसीसी में सामान्यत: कम्पेंसेशन के रूप में अनुदित करते हैं। ट्रेप्पियर ने कहा है कि उनकी कंपनी भारत में लंबे समय की साझेदारी के लक्ष्य से काम कर रही है। दस्सॉल्ट जितने संयुक्त उद्यम यहां लगाएगा वे भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती देने वाले होंगे। मेक इन इंडिया का लक्ष्य यही है। चीन में विदेशी कंपनियां व्यापक पैमाने पर उत्पादन कर रही हैं। यदि अनावश्यक विरोध होगा तो हम चीन से प्रतिद्वंद्विता में नहीं टिक पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के पास भी राफेल सौदे संबंधी याचिकाएं डाली गई। कोर्ट ने केंद्र से सीलबंद लिफाफे में खरीद प्रक्रिया की पूरी जानकारी मांगी, जो दी गई है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस एसके कौल और जस्टिस केएम जोसेफ की पीठ ने स्पष्ट किया कि वे न तो याचिकाओं में लगाए गए आरोपों को ध्यान में रख रहे हैं, और न ही राफेल की गुणवत्ता और वायुसेना में इसकी उपयोगिता को लेकर कुछ जानना चाहते हैं, और न केंद्र को नोटिस जारी कर रहे हैं। इसका कुछ तो अर्थ है। इस बीच, वायुसेना प्रमुख बीएस धनोआ का बयान आ गया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास तीन विकल्प थे-अभी कुछ और इंतजार करते, राफेल लड़ाकू विमान को वापस करते या फिर आपातकालीन खरीद करते। हमने आपातकालीन खरीदारी की। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि पहले से एचएएल के साथ हुए करार में डिलीवरी को लेकर काफी देरी हो रही है। सुखोई-30 की डिलीवरी में तीन साल की देरी, जगुआर की डिलीवरी में 6 साल, लाइट कम्बैट एयरक्राफ्ट की डिलीवरी में 5 साल और मिराज 2000 अपग्रेड की डिलीवरी में 2 साल की देरी है। उन्होंने यह भी कह दिया कि दसॉल्ट एविएशन ने ऑफसेट साझेदार को चुना। सरकार और वायुसेना की इसमें कोई भूमिका नहीं थी। राफेल पर राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण है। राफेल सौदे पर मत बनाने से पहले दस्सॉल्ट के सीईओ द्वारा रखे गए तयों को ध्यान में रखना होगा। वायुसेना प्रमुख की बातों को तो खारिज नहीं किया जा सकता। कई बार संदेह होता है कि विवाद पैदा करने के पीछे कुछ निहित स्वार्थी तत्व तो नहीं हैं। रक्षा सौदों के बिचौलिए छद्म वेश में जानबूझकर गलतफहमियां तो पैदा नहीं कर रहे।

संभव है कि विमान बनाने वाली दूसरी कंपनियों की आपसी लड़ाई का शिकार हम हो रहे हों। संभव है कि रक्षा क्षेत्र में हमें कमजोर बनाए रखने की चाह रखने वाले इसके पीछे हों। राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप चलते हैं, और चलते रहेंगे किंतु ऐसा न हो कि राजनीतिक हित की वेदी पर देश हित की बलि चढ़ जाए। देश के विवेकशील लोगों को राजनीतिक आरोपों से परे राफेल सौदे को सच के आईने में देखना चाहिए।

चलते चलते

संजीदगी से सोचने-विचारने का समय

दिल्ली के एक सरकारी विद्यालय में आठवीं कक्षा के छात्र का शिक्षक पर जानलेवा हमला क्या बच्चों में सहनशक्ति कम होने का मामला है या फिर कानून-व्यवस्था के लचर होने का; इस विषय पर संजीदगी से सोचने-विचारने का समय आ गया है। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों का गुस्से से भर जाना और गलत कदम उठाना कहीं-न-कहीं इस बात को परिलक्षित करता है कि समाज में अच्छी चीजें क्षीण होती जा रही हैं। संस्कार की बातें और नैतिकता की शिक्षा पर अमल नहीं हो रहा है। सिर्फ इस बात पर कि स्कूल न आने की शिकायत शिक्षक ने अभिभावकों से की, छात्र ने स्कूल बैग में रखे रॉड से शिक्षक पर वार कर दिया। ऐसी कई घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। मगर ऐसा होने के पीछे वजह क्या है, इसके सूत्र तलाशना

छोटी-छोटी बातों पर बच्चों का गुस्से से भर जाना और गलत कदम उठाना कहीं-न-कहीं इस बात को परिलक्षित करता है कि समाज में अच्छी चीजें क्षीण होती जा रही हैं। संस्कार की बातें और नैतिकता की शिक्षा पर अमल नहीं हो रहा है।

बेहद जरूरी है। स्वाभाविक तौर पर बच्चों के सिर पर खून सवार होना या उनके अशिष्ट व्यवहार का प्राथमिक कारण हम परिवार के माहौल और संस्कार को मानते हैं। किंतु बच्चों के असहनशील होने या नैतिकता से उलट सोचने या करने के लिए सिर्फ उन्हें ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। इसके लिए परिवार, सामाजिक वातावरण और पड़ोस भी जिम्मेदार हैं। चूंकि परिवार बच्चों की प्राथमिक पाठशाला होते हैं और अच्छे संस्कार की नींव उनमें वहीं से पड़ती है, सो परिवार की भूमिका यहां बड़ी हो जाती है। नैतिक शिक्षा से शख्सियत में बुलंदी आती है। इस लिहाज से घर से लेकर शिक्षा का ककहरा सिखाने वाली जगहों पर इस बात का खास ध्यान रखने की जरूरत है कि वहां बच्चों को क्या परोसा जा रहा है? अभिभावकों को अपनी पौध को सक्षम पेड़ बनाने के लिए उन पर धन नहीं बल्कि वक्त खर्च करना होगा। बच्चे घरवालों से प्यार की थपकी और पुचकार चाहते हैं। इस कर्तव्य से मुंह चुराने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं। हम दशकों पहले का वक्त तो अब नहीं ला सकते जब रिश्तों में गर्माहट होती थी और लोग बेहद मिलनसार होते थे। दूसरों के दुख-सुख को बांटते थे। मोबाइल और सोशल साइट्स ने बड़ों के साथ ही बच्चों की समझदारी और मासूमियत दोनों पर ग्रहण लगा दिया। तकलीफें और बढ़ेंगी क्योंकि बच्चों का इस तरह का बर्ताव न केवल माता-पिता एवं परिवारजनों के लिए विकट एवं गंभीर समस्या है, बल्कि समाज के लिए चिंता का सबब है।

फोटोग्राफी...

चिली के लॉस रिओस क्षेत्र में स्थित पैंगुपुली के नेल्टुम गांव में शनिवार को 8वें हुइलो-हुइलो वन महोत्सव में भागीदारी करते बच्चे।

सेल्फी

जब देश में सेल्फी (स्वयं की तस्वीर) एक्सपर्ट बताकर बेचे जा रहे स्मार्टफोनों के कारण दुर्घटनाओं और आत्ममुग्धताओं की जानलेवा हदों का खुलासा हुआ है। अमृतसर में जोड़ा फाटक के निकट दशहरे के दिन रावण दहन के वक्त गुजरी ट्रेन की चपेट में आकर 60 लोग मारे गए तो बताया गया कि उस समय मंच पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित पंजाब सरकार में मंत्री नवजोत सिद्धू की पत्नी सेल्फी लेने में मशगूल थीं। ऐसी ही एक घटना मुंबई में हुई जहां 21 अक्टूबर को देश के पहले डोमेस्टिक क्रूज का उद्घाटन हुआ। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणनवीस की पत्नी अमृता बतौर मेहमान पहुंचीं। वह सुरक्षा पंक्ति तोड़ क्रूज के खतरनाक किनारे पर जा पहुंचीं और सेल्फी लेने लगीं। इससे संदेश निकलता है कि बड़ी हस्तियां भी आत्ममुग्ध बनाने वाली सेल्फी खींचने का लोभ संवरण नहीं कर पातीं। बड़ा संदेश है कि सेल्फी प्रेम से वे समाज को स्मार्टफोन की जानलेवा प्रवृत्ति की ओर ठेल रही हैं। पिछले साल एक अध्ययन में दावा किया गया था कि इधर के कुछ वर्षो में ही दुनिया में सेल्फी के कारण एक नई बीमारी ''सेल्फाइटिस' ने जन्म ले लिया है। लंदन की नॉटिंघम ट्रेंट यूनिर्वसटिी और तमिलनाडु के त्यागराज स्कूल ऑफमैनेजमेंट के इस साझा अध्ययन से निकले नतीजे में कहा गया कि दिन भर में तीन से ज्यादा सेल्फी लेने वाला शख्स ''सेल्फाइटिस' का शिकार है। यह शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल ऑफमेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन में प्रकाशित किया गया। इसमें कहा गया कि ''सेल्फाइटिस' डिसऑर्डर से ग्रसित लोग आत्मविास बढ़ाने, मूड ठीक करने, यादें संजोने, स्व प्रचार करने और खुद को दूसरों से आगे दिखाने के उद्देश्य से बार-बार सेल्फी खींचते रहते हैं। ये आदतें एक हद तक नशेड़ियों की तरह होती हैं, जिन्हें अपने किए का कोई होश नहीं रहता। सेल्फी की समस्याओं पर पहले भी कई रिपोर्टे आ चुकी हैं। कार्नेड मेलन यूनिर्वसटिी और इंद्रप्रस्थ इंस्टीटयूट ऑफ दिल्ली ने कुछ समय पहले एक रिपोर्ट-मी माइसेल्फएंड माइकिल्फी-जारी की थी। इसमें बताया गया था कि मार्च, 2014 से सितम्बर, 2016 के बीच पूरी दुनिया में सेल्फी लेते वक्त असावधानी के कारण 127 मौतें हुई जिनमें आधे से ज्यादा यानी 72 अकेले भारत में हुई। समुद्री किनारों पर तेज लहरों के बीच, रेल पटरियों के पास ट्रेन गुजरते वक्त, किसी ऊंची इमारत के टॉप पर, किसी ऊंची पहाड़ी के गहरी खाई वाले किनारे पर सेल्फी लेते समय दर्जनों हादसे देश में हो चुके हैं। मनोविज्ञान कहता है कि मोबाइल कैमरे से ली जाने वाली सेल्फी दरअसल व्यक्ति के अहंकार के प्रदशर्न का पक्ष प्रस्तुत करती है। साबित हो रहा है कि सेल्फियां आत्ममुग्धता के ऐसे हिंसक मोड़ तक पहुंच गई हैं, जहां लोगों को अपनी या दूसरों की जान की बजाय यह फिक्र ज्यादा है कि सेल्फी लेने का कोई अभूतपूर्व और रोमांचक सनसनी पैदा करने वाला खतरनाक मौका न छूट जाए। स्मार्टफोनों के अस्तित्व में आने के बाद तो जैसे हर कोई बिना औचित्य के ही सेल्फी खींचना जरूरी मानने लगा है। सेल्फी हमारे समाज की शो-ऑफ यानी दिखावा करने की खतरनाक परंपरा का नया रूप है। आत्म प्रचार की यह प्रवृत्ति कुछ लोगों को थोड़ी देर के लिए दूसरों के मुकाबले मुकाबले श्रेष्ठ होने का क्षणिक अहसास भले ही करा दे लेकिन बाद में यह सनक बीमारी और सामाजिक समस्या के रूप में ही प्रकट होती है। सवाल है कि क्या अब देश को सेल्फी की आचार संहिता के बारे में नहीं विचारना चाहिए। स्मार्टफोन निर्माताओं को भी हिदायत देना जरूरी है कि अपने फोन सेल्फी-एक्सपर्ट कहकर न बेचें।

सत्संग

''मति निर्देश'

भारतीय अध्यात्म विद्या के जानकारों ने चार प्रकार के येग माने हैं-मंत्रयोग, हठयोग, लययोग और राजयोग। बात करें हठयोग की हठयोग में व्यक्ति प्रयत्नपूर्वक अपने आपको बाहरी विषयों और विचारों से अलग करना चाहता है। आत्मा से पृथक् प्रत्येक पदार्थ से विचारों को अलग करने की चेष्टा हठयोग में होती है। हमारा मन बार-बार किसी प्रकार की खाने की वस्तु में जाता है, हठयोग द्वारा मन को उस वस्तु के प्रति उदासीन किया जा सकता है। स्वामी रामतीर्थ को सेब से बड़ा प्रेम था। जब सेब को देखते तो उनका मन और सब बातें भूलकर उसी का चिन्तन करने लगता था। इस कमजोरी को दूर करने के लिए उन्होंने एक सेब खरीदा और उसे अपने पढ़ने की मेज के ऊपर सामने ही रख लिया। प्रतिदिन उसकी ओर टकटकी लगाकर देखते। आठ दिन तक ऐसा किया। फिर जब वह सूख गया तो उसे उठाकर फेंक दिया। इस प्रकार उन्होंने एक महीने तक अभ्यास किया और कई सेवों को सड़ाकर फेंका। इसके बाद उनके मन में सेब की बात कभी नहीं आती थी। बार-बार वृत्तियों पर विजय प्राप्त करने से वे शिथिल हो जाती हैं, और मन वश में हो जाता है। जब मनुष्य प्रति दिन यह अभ्यास करता है तो सुंदर से सुंदर वस्तु के प्रति आकर्षित नहीं होता। इसका एक उदाहरण ''साइकोलजी एंड मोरल्स' नामक पुस्तक में दिया गया है। एक व्यक्ति को कोकीन खाने की आदत पड़ गई। वह यह हानिकारक आदत छोड़ना चाहता था। प्रयत्न करने पर भी वह नहीं छूटती थी। वह अपने पास कोकीन नहीं रखता था, पर जब कभी कोकीन की दुकान के पास से निकलता तो अनायास वहां ठहर जाता और कोकीन खरीदकर खा लेता। इस लत को नष्ट करने के लिए उसे ''मति निर्देश' का अभ्यास कराया गया। इस अभ्यास में वह कल्पना में अपने को उस दुकान के पास से निकालता और उसकी कुछ भी परवाह न करता हुआ ध्यान करता था। इस प्रकार के अभ्यास से कुछ समय में उसमें अद्भुत परिवर्तन हो गया। अब उस व्यक्ति को उस दुकान से बार-बार निकल जाने पर भी उसकी याद नहीं आती थी और इससे उसका कोकीन का व्यसन छूट गया। हठ एक ऐसी क्रिया है, जिससे असाध्य भी साध्य हो जाता है। इसीलिए राजयोग के साथ हठयोग का भी अभ्यास कराया जाता है। हठ की कला को जो सीख लेता है, हठयोग उसके लिए शीघ्र ही फल देने वाला बन जाता है।

आज का इतिहास

- 1774 : फिलाडेल्फिया में अमेरिका की पहली महाद्वीपीय कांग्रेस स्थगित।
- 1775 : अंतिम मुगल बादशाह बहादुरशाह जफ़र का जन्म।
- 1858 : एच.ई. स्मिथ ने वॉशिंग मशीन का पेटेंट कराया।
- 1890 : पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म।
- 1905 : नॉर्वे ने स्वीडन से स्वतंत्रता प्राप्त की।
- 1934 : महात्मा गांधी के संरक्षण में अखिल भारतीय ग्रामीण उद्योग संघ की स्थापना।
- 1943 : कलकत्ता (तत्कालीन कोलकाता) में हैजे की महामारी से अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में 2155 लोगों की मौत।
- 1947 : राजा हरि सिंह जम्मू-कश्मीर को भारत में विलय करने पर सहमत हुए।
- 1947 : इराक में ब्रिटिश सेना का कब्जा हटा।
- 1950 : मदर टेरेसा ने कलकत्ता में चैरिटी मिशन की स्थापना की।
- 1951 : विंस्टन चर्चिल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने।
- 1969 : चांद पर कदम रखने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग और एडविन एल्ड्रिन मुंबई आये।
- 1975 : मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात अमेरिका की आधिकारिक यात्रा करने वाले देश के पहले राष्ट्रपति बने।
- 1976 : त्रिनिदाद एंड टोबैगो गणराज्य को ब्रिटेन से आजादी मिली।
- 1980 : इजरायल के राष्ट्रपति यित्जाक नावोन मिस्र की यात्रा करने वाले पहले इजरायली राष्ट्रपति बने।
- 1994 : इजराइल और जॉर्डन के बीच 46 साल से जारी युद्ध को समाप्त करते हुए शांति संधि हुई।
- 1999 : उच्चतम न्यायालय ने आजीवन कारावास की अवधि 14 वर्ष तय की।
- 2001 : जापान ने भारत और पाकिस्तान के खिलाफ लगे प्रतिबंधों को हटाने की घोषणा की।
- 2005 : वर्ष 2006 को भारत-चीन मैत्री वर्ष के रूप में मनाने का फैसला।
- 2007 : अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का यान डिस्कवरी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर सफलतापूर्वक उतरा।
- 2012 : बर्मा में हिंसक झड़पों में 64 लोगों की मौत।

पितृ पक्ष

इतना भी मुश्किल नहीं है कार चलाना

बस याद रखें ये टिप्स

अगर आप भी कार चलाना सीखना चाहते हैं या फिर आपने अभी-अभी ही कार चलाना शुरू किया है तो आपको कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। यहां हम आपको बता रहे हैं कुछ जरूरी टिप्स जो कार चलाने में आपकी मदद करेंगे। कार सीखने से पहले आपको कार की पूरी जानकारी होना जरूरी है। सबसे पहले गियर अजस्टमेंट के बारे में जान लें और फिर क्लच और ब्रेक के बारे में भी। हमेशा याद रखें कि कार सीखते समय कार की स्पीड कम रखें और इसी के मुताबिक कार की गियर को शिफ्ट करते रहें।

सीटिंग पोजिशन ठीक रखें

हमेशा याद रहे कि अगर आपकी सीटिंग पोजिशन ठीक नहीं होगी तो आप ड्राइव भी ठीक से नहीं कर पाएंगे। अपनी सीटिंग पोजिशन हमेशा ऐसी रखें कि जिससे आपकी पीठ, घुटने और कंधों पर भी ज्यादा जोर ना पड़े। इस बात का भी ध्यान रखें कि बैठते समय आपका पैर ब्रेक और क्लच तक आराम से जाए ताकि उन्हें इस्तेमाल करने में कोई परेशानी न हो।

ट्रैफिक नियमों का पालन करें

कार चलाते समय सड़कों पर काफी ध्यान देनी की जरूरत होती है इसलिए कार चलाने से पहले रियर व्यू मिरर को अपने मुताबिक अजस्ट कर लें ताकि पीछे आराम से देख सकें। ट्रैफिक में कार हमेशा संभल कर ही चलाएं और ट्रैफिक नियमों का पूरी तरह पालन करें।

गाड़ी तेज ना चलाएं

अक्सर यह देखने को मिलता है कि कुछ लोग जब थोड़ा बहुत कार चलाना सीख जाते हैं तो वे तेज गाड़ी चलाने लगते हैं और कई बार ऐसा करने पर दुर्घटना के शिकार भी हो जाते हैं। ऐसे में अपने अंदर थोड़ा संयम रखें, जब तक पूरी तरह से आत्मविश्वास ना आए तब तक गाड़ी की स्पीड कम ही रखें।

स्टीरिंग पर कंट्रोल जरुरी

इस बात पर हमेशा ध्यान दें कि स्टीयरिंग को इस तरह पकड़े कि स्टीयरिंग वील्ज पर आपका कंट्रोल पूरी तरह हो।

गाड़ी से दूरी बनाएं रखें

जब भी आप कार चलाना सीख रहे हों तो अपने आगे चल रही गाड़ियों से थोड़ी दूरी बनाए रखे क्योंकि कई बार आगे चल रही गाड़ी अचानक रुक या मुड़ सकती है, ऐसे में आपको भी अपनी गाड़ी अचानक रोकनी पड़ सकती है। सुरक्षा के लिए ऐसा किया जाना बेहद जरूरी है।

बिना मतलब हॉर्न ना बजाएं

हॉर्न अपने आसपास और गाड़ी के सामने चल रहे लोगों को अलर्ट करने के लिए बजाया जाता है। कभी भी बिना मतलब हॉर्न ना बजाएं।

दिमाग शांत रखें

ड्राइव करते समय अपना दिमाग शांत रखे क्योंकि दिमाग शांत न रखने पर आपकी छोटी सी गलती भी आपके लिए और दूसरों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकती है।

युवाओं में सुपरबाइक को लेकर दीवानगी

विदेशों में जिस तरह लोगों में सुपर बाइक को लेकर दीवानगी है, वह अब भारत में भी दिखाई देने लगी है। युवाओं में डिस्पोजेबल इनकम का बढ़ना व बेहतर लाइफस्टाइल को जीने की उनकी इच्छा ऐसी सुपरबाइक की बिक्री का कारण है। युवाओं में भी सुपरबाइक का क्रेज दिन-ब-दिन बढता जा रहा है। आजकल युवाओं को हैवी व पावरफुल बाइक्स पसंद आ रही है। इन सुपरबाइक्स में दिया गया इंजन एक हैचबैक कार जितना पावर देता है लेकिन कीमत उनसे कहीं ज्यादा। आइए जानते हैं कुछ सुपरबाइक्स के बारे में।

एक के बाद एक मार्केट में दिग्गज ऑटो मैन्यूफैक्चरर द्वारा लॉन्च के जा रही हाई ऐंड सुपरबाइक्स व उनकी बिक्री के आंकड़े बताते हैं कि युवाओं में अब सुपरबाइक का क्रेज सिर चढ़ कर बोलने लगा है। इस वजह से मोटरसाइकल में रफ्तार के साथ फीचर पर भी अधिक जोर दिया जा रहा है। ग्राहक 600 से 800 सीसी की बाइक को लेना पसंद कर रहे हैं।

बनेली टीएनटीआर

स्पोर्ट्स बाइक टोरांडो टीआरई1130 आर का स्ट्रीटफाइटर वर्जन है। टीएनटीआर की बोल्ड बॉडी, अग्रेसिव लुक और फास्ट स्पीड इसे एक बेहतर स्पोर्ट्स और ऑफ रोडर बाइक बनाते हैं। इस बाइक को इटेलियन टच दिया गया है। बनेली स्टाइल फ्यूल टैंक और मोटे ट्यबलैस टायर्स के अलावा बॉडी ज्वांइट के लिए इस्तेमाल किए पाइप इसे एक काबिलेतारीफ लुक देते हैं। इस बाइक में 1131सीसी का दमदार इंजन लगा है। 6-स्पीड गियरबॉक्स यहां देखने को मिलेंगे। इस बाइक की एक्स शोरूम मुंबई कीमत 12.14 लाख रूपए है।

होंडा सीबी 1000आर

देश में उपलब्ध सुपरबाइक्स में से एक होंडा सीबी 1000आर को साल 2009 में लॉन्च किया गया था। तिकोने शेप हैडलैंप्स वाली इस बाइक के प्रति युवाओं का क्रेज़ काफी शानदार है। इस बाइक में 1.0 लीटर का इंजन लगा है। 6-स्पीड गियरबॉक्स वाली इस बाइक की टॉप स्पीड 225 किमी प्रति घंटा है। इस बाइक की एक्स शोरूम कीमत 12.74 लाख रूपए है।

कावासाकी 1000

यह बाइक कंपनी की सबसे अग्रेसिव बाइक कही जाए तो कुछ गलत नहीं होगा। अपने अजीबोगरीब फ्रंट फेस व ड्यूल एग्जॉस्ट इस बाइक को एक बार पलटकर देखने से आप अपने आपको रोक नहीं पाएंगे। इस बाइक में 1,043सीसी का इंजन लगा है। इस बाइक में 6 स्पीड ट्रांसमिशन लगा है। टॉप स्पीड 258 किमी प्रति घंटा है। इस बाइक की मुम्बई में एक्स शोरूम कीमत 12.87 लाख रूपए है।

ट्रायंम्फ स्पीड

ब्रिटिश कंपनी की इस बाइक को इससे पहले ऑटो एक्सपो-2016 और गोवा मोटर शो में दिखाया गया है। यह बाइक कंपनी की बेस्ट ऑफ रोडर और फास्ट बाइक में से एक है। इस हैवी मोटरसाइकिल में 1050सीसी का इंजन लगा है। इसका फ्यूल टैंक 17.5 लीटर का है, जो प्रभावित करता है। माइलेज 14.5 किमी प्रति लीटर का है, जबकि टॉप स्पीड 220 किमी प्रति घंटा है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 11.99 लाख रूपए है।

एमफ्लक्स वन

एमफ्लूक्स वन एक फुली फेअर्ड इलेक्ट्रिक सुपरबाइक है और इसमें ड्यूल चैनल एबीएस से लैस ब्रेम्बो ब्रेक्स, सिंगल साइडेड स्विंगआर्म, ओहलिंस सस्पेंशन और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से लैस फुली कनेक्टेड डैशबोर्ड आदि हाइटेक फीचर्स दिए गए हैं। जुलाई 2018 में इस बाइक के प्री-ऑर्डर्स शुरू हो जाएंगे। अप्रैल 2019 से इसकी डिलिवरीज शुरू हो जाएंगी। एमफ्लक्स वन की टॉप स्पीड 200 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह बाइक 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड महज 3 सेकंड्स में पकड़ लेती है। इसका मोटर 71 बीएचपी का पावर और 84 न्यूटन मीटर का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इस बाइक को पूरी तरह से एम्फ्लक्स मोटर्स ने डिजाइन किया है। भारत में एक बार लॉन्च होने के बाद एमफ्लूक्स की कीमत 5.5 से 6 लाख रुपए के बीच हो सकती है। इसे बेंगलुरु, नई दिल्ली और मुंबई स्थित कंपनी के एक्सपीरियंस सेंटर्स पर भी शोकेस किया जाएगा। इसके ऑनलाइन खरीदा जा सकेगा। इस बाइक के अलावा कंपनी एम्फ्लक्स टू पर भी काम रही है। यह एक नेकड स्ट्रीट बाइक होगी।

सुजुकी जीएसएक्स-एस1000

सुजुकी की बाइक्स देश में काफी पॉपुलर हैं। इनमें सुजुकी की पर युवाओं की खास दिलचस्पी है। इस बाइक में 999सीसी का इंजन लगा है। फ्यूल टैंक 17 लीटर का है, जबकि माइलेज 20 किमी प्रति लीटर है। टॉप स्पीड 241.5 किमी प्रति घंटा के करीब है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 12.25 लाख रूपए है।

मेन्जा लुकैट

इलेक्ट्रिक बाइक बनाने वाली स्टार्टअप कंपनी मेंजा मोटर्स ने भी अपनी एक इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च की। लुकैट नाम से पेश की गई इस शानदार बाइक को 2 I8 लाख रुपए की दिल्ली एक्सशोरूम कीमत पर लांच किया गया है। कंपनी ने लुकैट को एक स्पॉर्टी मोटरसाइकल के रूप में पेश किया गया है। कंपनी का दावा है कि इसके डायनैमिक्स 200सीसी बाइक जैसा जबकि इसकी परफॉर्मेंस 650सीसी बाइक जैसी है। कंपनी के अनुसार इसके बॉडीवर्क के लिए 77 कलर ऑप्शंस रखे गए है उपभोगता इनमे से कोई भी कलर चुन सकते है। इस इलेक्ट्रिक बाइक को स्मार्ट कनेक्टिविटी के लिहाज से इनोवेटिव फीचर्स, बड़ी टचस्क्रीन, कीलेस इग्निशन सिस्टम जैसे फीचर्स से जोड़ा गया है। इस बाइक में डीसी मोटर दिया गया है जो कि 24 पीएस का पावर और 60 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। ये बाइक 120 किलोमीटर प्रति घंटा की टॉप स्पीड से भाग सकती है। इसमें 72 वोल्ट की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया है जिसको ले कंपनी का दवा है कि ये एक बार फुल चार्ज पर शहर में 100 किलोमीटर और हाइवे पर 150 किलोमीटर तक दौड़ लगा सकती है।

आजमाएं ये तरीके, बनें शानदार कार के मालिक

कार खरीदने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद ही आवश्यक है ताकि आप अपने सपनों की सवारी खरीदने के बाद गर्व से कह सके कि हम अपनी कार से पूरी तरह संतुष्ट हैं। आज आपके लिए पांच आसान उपाय लेकर आए हैं जिसकी मदद से आप आसानी से एक शानदार कार के मालिक बन सकते हैं। तो आइए जानते है तस्वीरों के माध्यम से वो पांच आसान तरीके-

सोच-विचार करें

कार खरीदने से पूर्व सबसे पहले आप सोच-विचार करें, जेसे की ऑटोमोबाईल वेबसाईट, मैग्जीन आदि में विभिन्न कारों के रिव्यू आदि के बारें में पढें। इस दौरान आप अपने किसी साथी आदि की भी मदद जरूर लें और उनसे सलाह करें कि कौन सी कार आज के समय में बाजार में उपलब्ध है जो कि आपके लिए ठीक रहेगी।

अपना बजट तय करें

कार के बारें में रिसर्च करने के बाद दो-तीन कारों का चयन करें उसके बाद अपने बजट पर ध्यान दें। जेसे कि यदि आप कार फाइनेंस करा रहें हैं तो आपको डाउनपेमेंट कितना देना होगा, आपकी मासिक आय से किश्त कितने की बनेगी आदि। इन बातों का मिलान कर ही आगे बढ़ें।

ऑफर की जांच

यदि आपके पास पहले से ही कोई कार मौजूद है, और आप उस कार को बेचकर नई कार खरीदने की सोच रहें हैं। तो एक्सचेंज बोनस के बारें में पता करना ना भूलें। आप जिस कंपनी की नई कार खरीदने जा रहें हैं वहां के डीलर से एक्सचेंज ऑफर के बारें में पूरी जानकारी हासिल करें। यह आपके लिए बेहद ही लाभप्रद होगा।

टेस्ट ड्राइव लेवें

किसी भी एक कार को खरीदने का मूड बनाने से पहले दो तीन कारों की टेस्ट ड्राइव लेवें। इस दौरान आप अपने किसी सहयोगी को भी साथ रखें। बेहतर होगा यदि कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे कार और आधुनिक तकनीकी आदि के बारें में पूरी जानकारी हो। कभी भी सिर्फ एक कार का टेस्ट ड्राइव न करें। अलग-अलग कारों के टेस्ट ड्राइव करने से आपको बेहतर बातें पता चलेंगा।

डील पक्की करें

पूरी तरह से संतुष्ट हो जाने के बाद ही सौदे को पक्का करें। इस मामले में कभी भी जल्दबाजी न करें। इस दौरान आप अपने किसी सहयोगी या हितैषी को भी साथ रखें जो कि आपको सही समय पर सलाह देता रहे। डील पक्की करने से पहले डीलर और बैंक आदि से पूरी बातों की जानकारी जरूर लें, और साथ ही दोनों तरफ से मिले दस्तावेजों को ध्यान पूर्वक पढ़ें और कार खरीदें।

स्वराज्य रक्षक युवा संगठन द्वारा श्री छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक स्वच्छता अभियान

सूरत। लिंबायत संजय नगर विस्तार में श्री छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक स्वच्छता अभियान अंतर्गत स्वराज्य रक्षक युवा संगठन द्वारा स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में सभी युवा मित्र एकत्रित होकर स्वच्छता अभियान का कार्यक्रम रखा गया। इस दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक की लाइट 10 से 15 दिनों से बंद थी वहा की लाइट चालू कर के युवकों ने श्री छत्रपति शिवाजी महाराज के नारे लगाकर स्वच्छता अभियान पूर्ण किया।

संयुक्त दीपावली स्नेह मिलन रविवार को

समस्त अग्रवाल समाज द्वारा भव्य आयोजन

सूरत। दीपावली के पावन अवसर पर समस्त अग्रवाल समाज द्वारा संयुक्त दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन रविवार 4 नवंबर को वेसू स्थित रामलीला मैदान में किया जाएगा। शाम 7 बजे से आयोजित समारोह में द्वीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। उसके पश्चात महाराजा अग्रसेन जी के जिवन चरित्र पर आधारित एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजिन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय सरावगी (लक्ष्मीपती ग्रुप) होंगे एवं अतिथि विशेष बजरंग लाल अग्रवाल (लैण्डमार्क) होंगे। सूरत के विभिन्न अग्रवाल संस्था अग्रवाल विकास ट्रस्ट, अग्रवाल समाज ट्रस्ट, अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट, अग्रवाल समाज परवत पाटिया, अग्रवाल समाज रांदेर, अडाजन सहित अन्य अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित संयुक्त दीपावली स्नेह मिलन समारोह में प्रीतिभोज की व्यवस्था भी होगी। समस्त अग्रवाल समाज द्वारा आयोजि कार्यक्रम का उद्देश्य एक जुट होकर भाई-चारा बढाना है।

कलयुगी पुत्र ने मामुली विवाद में की माता की हत्या

सूरत। जिले के शामपुरा गांव में एक कलयुगी पुत्र ने अपनी माता की हत्या कर दी। पुत्र मीट लेकर आया था, जिसे बनाने के बाद कुत्ते खा गए इसी बात को लेकर गुस्से में आए पुत्र ने माता को मौत की नींद सुला दिया।

जानकारी के मुताबिक सूरत जिले की कामरेज तहसील के शामपुरा निवासी 68 वर्षीय सविता मोहनभाई वसावा अपने 22 साल के पुत्र अर्जुन वसावा के साथ रहती थी। सविवा वसावा की पुत्र भानु की शादी गांव में रहनेवाले दिलीप रणछोडभाई राठौड़ के साथ हुई है। सुबह के दौरान अर्जुन वसावा अपनी बहन के घर पहुंच गया और कहा कि मां के मुंह से खून निकल रहा है, तम जल्दी चलो। भानु और अर्जुन घर पहुंचे, जहां आसपास के लोगों की भीड़ जमा थी और सविता वसावा लहूलुहान हालत में पड़ी थी। अर्जुन से पूछने पर उसने कोई जानकारी होने से इंकार कर दिया। बाद में स्थानीय लोग मृत सविता वसावा को अंतिम संस्कार के लिए गलतेश्वर में तापी नदी किनारे स्मशान घर ले गए। इस बीच गांव के किसी व्यक्ति ने पुलिस को जानकारी दे दी। खबर पाते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और सविता वसावा के शव को लेकर कामरेज के सरकारी अस्पताल पहुंच गई। जहां पोस्टमार्टम में पता चला कि सविता वसावा के सिर में ठोस पदार्थ से वार कर उनकी हत्या की गई है। पुलिस ने जब अर्जुन से कड़ी पूछताछ की तो सविता वसावा की हत्या का खुलासा हुआ। दरअसल अर्जुन मुर्गी की मीट लाया था और माता से उसे बनाने को कहा और वह बाहर चला गया था, देर रात घर लौटने पर अर्जुन ने माता से पूछा क्या मीट बन गया? माता ने कहा कि मीट बनाया जरूर था, लेकिन कुत्ते खा गए। माता के जवाब से गुस्से में आकर अर्जुन ईंधन की लकड़ी उठाई और सविता वसावा के सिर में कई प्रहार किए। जिसमें गंभीर रूप से घायल सविता वसावा वहीं ढेर हो गई। पुलिस ने भानु राठौड़ की शिकायत के आधार पर अर्जुन के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है और उसे गिर तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी: भारतीय वायुसेना फहराएगी आकाश में तिरंगा और करेगी पुष्प वर्षा

सूर्यकिरण टीम के अलावा जगुआर और एमआई - 17 हेलिकॉप्टर की टीम द्वारा लाईव कार्यक्रम

सूरत। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम पंक्ति के लोकनेता, लौह पुरुष एवं भारत को एकता एवं अखंडता के एक सूत्र में बांधने वाले राष्ट्र के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को वीरोचित श्रद्धांजलि के स्वरूप में गुजरात की धरती पर निर्मित विश्व की सबसे ऊंची अर्थात 182 मीटर ऊंची प्रतिमा-स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण सरदार सरोवर नर्मदा परियोजना के सान्निध्य में साधु बेट में किया गया है।

31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्टेच्यू ऑफ यूनिटी स्मारक राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस मौके पर भारतीय वायुसेना लाई पास्ट कार्यक्रम द्वारा इस वैश्विक घटना को यादगार बनाएगी। लाइ पास्ट कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्मारक स्थल पर पहुंचकर स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के अनावरण का बटन दबाएंगे, उसी पल भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण टीम साधु बेट के आकाश में गगनभेदी नाद के साथ उपस्थित होगी और भारतीय तिरंगे की प्रतिकृति से समग्र आकाश को केसरी, सफेद और हरे रंग से भर देगी। इस अवसर पर उद्बोधन के बाद प्रधानमंत्री जब राष्ट्रीय एकता के प्रतीक समान च्द वॉल ऑफ यूनिटीज का अनावरण करेंगे, उसी वक्त तीन जगुआर फाइटर जेट एकदम नीची उड़ान भरते हुए नर्मदा डैम के ऊपर से स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की दिशा में उड़ान भरेंगे। च्द वॉल ऑफ यूनिटीज के अनावरण के बाद प्रधानमंत्री मोदी जब स्टेच्यू ऑफ यूनिटी स्मारक पर जाकर सरदार पटेल के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे उसी क्षण भारतीय वायुसेना के 2 एमआई-17 हेलिकॉप्टर भी आकाश में उपस्थित हो जाएंगे और प्रधानमंत्री के साथ ही समग्र देश के प्रतिनिधित्व के स्वरूप में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार पटेल के चरणों में पुष्प वर्षा करेंगे।

पुलिस आयुक्त ने राकेश अस्थाना द्वारा भाजपा को फंड देने के आरोप को नकारा

सूरत। शहर के पुलिस आयुक्त सतीश शर्मा ने रिटायर्ड पीएसआई के उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सूरत के तत्कालीन पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना पुलिस कल्याण निधि से रु. 20 करोड़ भाजपा को दिए थे। जानकारी मुताबिक एक रिटायर्ड पीएसआई ने 23 अक्टूबर को सीबीआई को मेल किया था था, जिसमें कहा था कि राकेश अस्थाना ने पुलिस वेल्फर फंड से भाजपा को रु. 20 करोड़ दिए थे। यह रकम उस वक्त दी गई जब गुजरात के मु यमंत्री नरेंद्र मोदी थे राकेश अस्थाना सूरत के पुलिस आयुक्त थे। इस रकम को वापस नहीं लौटाया गया। विवादों में घिरे सीबीआई के विशेष निदेशक और सूरत के पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना का सूरत के पुलिस आयुक्त ने बचाव किया है। उन्होंने राकेश अस्थाना पर लगे आरोप को आधारहीन और सत्य से विपरीत बताया।

प्रधानमंत्री मोदी आज शाम अहमदाबाद पहुंचेंगे

मोदी की गुजरात यात्रा को लेकर भव्य तैयारियां शुरु

विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का लोकार्पण ३१ अक्टूबर को होगा : कार्यकरों में उत्साह

गांधीनगर। विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के लोकार्पण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिनों के दौरे पर गुजरात आ रहे हैं। मोदी ३० अक्टूबर को देर शाम अहमदाबाद हवाई अड्डे पर उतरेंगे। यहां से वे अहमदाबाद सर्किट हाउस जाएंगे। अगले दिन मोदी अहमदाबाद से हवाई मार्ग से सुबह नौ बजे नर्मदा जिले के केवडिया कॉलोनी पहुंचेंगे। यहां पर सरदार सरोवर बांध पहुंचने के बाद फूलों की घाटी का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद टेन्ट सिटी जाएंगे। मोदी इन दोनों जगहों का निरीक्षण करने के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे।

इसके बाद वे वॉल ऑफ युनिटी का लोकार्पण करेंगे फिर बाद स्टेच्यू ऑफ युनिटी का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वही से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से मोदी के दो दिनों का कार्यक्रम निर्धारित किए जाने के बाद पुलिस व प्रशासन तंत्र काम पर लग चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने इस बार के दो दिनों के गुजरात दौरे पर राजभवन की जगह सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में गुजरात पर वे अब तक हमेशा राजभवन में ही रुकते रहे हैं। बताया जाता है कि यहां पर वे स्टेच्यु ऑफ यूनिटी में अहम योगदान देने वाले कई लोगों से निजी रूप से मिलेंगे। इन लोगों से मिलकर प्रधानमंत्री इन लोगों से मिलकर उनका आभार प्रकट करेंगे। इसके बाद वे भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। मोदी के गुजरात की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करने की बात कही जा रही है। वे इन नेताओं के साथ लोकसभा चुनाव की रणनीति को लेकर चर्चा करेंगे।

फ्लेट में शराब की मेहफिल का मजा ले रहे ३ गिरफ्तार

वस्त्रापुर पुलिस ने फ्लेट में छापेमारी कर शराब की चार बोतलों के साथ तीन मित्रों को गिरफ्तार किया

अहमदाबाद। शहर के बोडकदेव क्षेत्र में सिंधुभवन रोड पर फ्लेट में शराब की मेहफिल का मजा ले रहे तीन युवकों को वस्त्रापुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। देर रात को फ्लेट में पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस ने घटना स्थल से शराब की चार बोतलों को जब्त किया और पूरे मामले में जरूरी अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, वस्त्रापुर पुलिस को गत रात में यह निश्चित जानकारी मिली थी कि, शहर के सिंधुभवन रोड पर स्थित सोम्पोल अपार्टमेन्ट में कई लोग शराब की मेहफिल का मजा ले रहे हैं, इस आधार पर पुलिस ने फ्लेट में छापेमारी की। पुलिस ने घर में से सोफा पर बैठकर शराब पीते तीन मित्रों को गिरफ्तार किया गया। तीनों की पूछताछ करने पर उनके नाम देवांग बारोट (उम्र. २८ निवासी-सोम्पोल अपार्टमेन्ट, बोडकदेव), हिमांशु ठक्कर (उम्र. २९ निवासी-सीसीता टावर, सेटेलाइट) और मनन कांजानी (उम्र. २८, निवासी-माणेकबाग सोसाइटी) होने का बताया। पुलिस ने टेबल पर से शराब की बोतल और नमकीन के पैकेट जब्त किया। घर में जांच करने पर अन्य तीन शराब की बोतल मिली। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया था। वस्त्रापुर पुलिस को गत रात में यह निश्चित जानकारी मिली थी कि, शहर के सिंधुभवन रोड पर स्थित सोम्पोल अपार्टमेन्ट में कई लोग शराब की मेहफिल का मजा ले रहे हैं, इस आधार पर पुलिस ने फ्लेट में छापेमारी की।

पुलिस ने घर में से सोफा पर बैठकर शराब पीते तीन मित्रों को गिरफ्तार किया गया। तीनों की पूछताछ करने पर उनके नाम देवांग बारोट (उम्र. २८ निवासी-सोम्पोल अपार्टमेन्ट, बोडकदेव), हिमांशु ठक्कर (उम्र. २९ निवासी-सीसीता टावर, सेटेलाइट) और मनन कांजानी (उम्र. २८, निवासी-माणेकबाग सोसाइटी) होने का बताया। पुलिस ने शराब पीये तीनों मित्रों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शराब पीने के मामले में और शराब रखने के मामले में पास-परमीट नहीं होने को लेकर तीनों के विरूद्ध अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है।

चोर घुसे यह शेल्बी अस्पताल के डॉक्टर पति-पत्नी

डॉक्टर कपल के घर में चोर घुसे : ३.२४ लाख की चोरी

शहर के पूर्व क्षेत्र में चोरों का आतंक बरकरार : नरोडा पुलिस ने घटना के पुरे मामले में जांच शुरू की

अहमदाबाद। शहर के पूर्व क्षेत्र में चोरों ने आतंक मचाया हुआ है, इसमें भी चड्डी- बनियानधारी गैंग का तो इस हद तक आतंक है कि कभी भी चोरी की घटना को अंजाम देते है। नरोडा क्षेत्र में चड्डी- बनियानधारी गैंग ने अक्षय रेसीडेन्सी में रहते डॉक्टर कपल के घर में घुसकर ३.२४ लाख रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इसके अलावा इसी सोसाइटी में एक मकान का ताला भी चोरों ने तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया। अक्षय रेसीडेन्सी में निवासियों की सतर्कता के कारण चोर कोट कूदकर फरार हो गये थे। यह पूरे घटना के मामले में नरोडा क्षेत्र में स्थित अक्षय रेसीडेन्सी में रहते और शेल्बी अस्पताल के डॉक्टर स्नेहलभाई पटेल ने नरोडा पुलिस स्टेशन में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। स्नेहलभाई और उनकी पत्नी दिशाबहन शेल्बी अस्पताल में डॉक्टर है। दोनों की डयूटी रात के ८ बजे से सुबह के ८ बजे तक की है। चार दिन पहले दिशाबहन को डेन्यु हो जाने से उनको ओढव में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार रात को डॉक्टर स्नेहलभाई नौकरी पर गये थे तब चोरों ने उनके घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। देर रात को तीन बजे के करीब उनकी सोसाइटी में रहते मल्हारभाई ने स्नेहलभाई को फोन किया था और आपके घर का ताला टूटा हुआ है और घर का सामान बिखरा हुआ है यह समाचार दिया था। स्नेहलभाई घर पहुंचे तब पुलिस पहले से ही पहुंच गई थी और जांच शुरू कर दी। चोरों ने स्नेहलभाई के घर में से सोना-चांदी के आभूषण सहित ३.२४ लाख रुपये की गहने की चोरी की गई थी। स्नेहलभाई ने सोसाइटी में रहते लोगों को पूछा तब मालूम हुआ कि तीन चार शख्स चोरी करने के लिए आये थे, लेकिन लोगों ने चोर-चोर की आवाज लगाने से सोसाइटी का कोट कूदकर फरार हो गये थे। चोरों ने स्नेहलभाई के मकान के अलावा अन्य एक मकान में चोरी करने के लिए लॉक तोड़ा था, हालांकि वहां उनको कुछ नहीं मिला।

गांधी और सरदार की धरती गुजरात के साथ पंजाब का अटूट नाताः केन्द्रीय मंत्री

सूरत। केंद्रीय फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज मंत्री हरसिमरत कौर ने कहा कि महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की पवित्र धरती के साथ पंजाब का पुराना नाता रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से सूरत के मांगरोल में 70 एकड़ क्षेत्र में 120 करोड़ के खर्च से निर्मित फूड एग्रो इंफ्रास्ट्रक्चर- मेगा फूड पार्क का लोकार्पण समारोह को संबोधित किया।

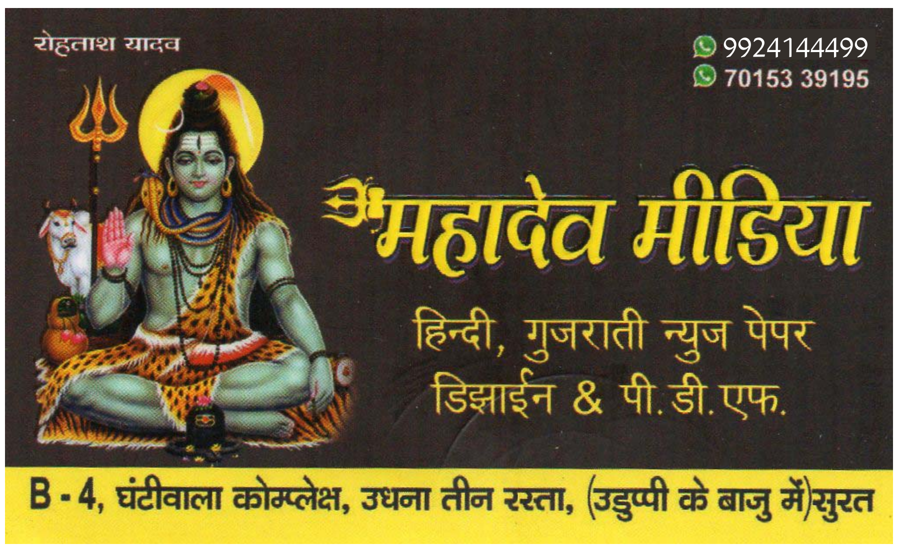

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)